सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, मंगलवार, 11 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 300, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सदर तहसील में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई सवालों के घेरे... » Pg06

» Pg12 बाराबंकी:

राष्ट्रीय एकता हमारी आन, बान व शानः सीएम योगी

फरीदाबाद, सहारनपुर, लखनऊ फिर दिल्ली से जुड़े तार

लाल किला ब्लास्ट का निकला डॉ. कनेक्शन!

टेलीग्राम पर चलता था कट्टरपंथ का खेल, महिलाओं को जोड़ने का मिला था टास्क, मसूद अजहर की बहन के संपर्क में थी डॉ. शाहीन

11 राज्यों में हाई अलर्ट

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/लखनऊ। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास सोमवार शाम हुए विस्फोट ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस घटना ने न केवल राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं, बल्कि जांच एजेंसियों को भी एक जटिल जाल में उलझा दिया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, जिस सफेद रंग की आई20 कार में विस्फोट हुआ, उसके सात मालिक बदल गए, लेकिन यह कार दूसरे खरीदार के नाम पर ही रही। यही कार अब इस आतंकी साजिश की सबसे अहम कड़ी मानी जा रही है। दूसरी ओर, लाल किले पर धमाके के बाद दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। संसद भवन, इंडिया गेट, हवाई अड्डा और मेट्रो समेत सभी प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने कहा है हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

बता दें कि लाल किले के पास सोमवार शाम को एक कार में हुए जोरदार विस्फोट ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि तेज धमाके के साथ आसपास की कई गाड़ियां जल गईं और नजदीकी दुकानों की खिड़कियां टूट गईं। दिल्ली पुलिस, एनआईए और एनएसजी की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच में जुट गई हैं। आज मंगलवार को फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम विस्फोट के मलबे की जांच करेगी।

दिल्ली पुलिस ने केस यूएपीए की धारा 16 और 18, एक्सप्लोसिव्स एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज किया है। आशंका जताई जा रही है कि यह आतंकी साजिश का हिस्सा हो सकता है। पूरे देश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, सरकारी भवन और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। दिल्ली में लाल किला मेट्रो की पार्किंग में हुए ब्लास्ट के बाद आतंकी डॉक्टरों की पूरी जमात का कनेक्शन सामने आया है। इस आतंकी हमले में 7 लोगों के टेरर नेटवर्क के तार जुड़ रहे हैं।

मो. उमर

मुजम्मिल शकील, आदिल मोहम्मद और अहमद मोईद्दीन सैयद

इसमें सहारनपुर से गिरफ्तार अनंतनाग का डॉक्टर आदिल अहमद, फरीदाबाद में 2900 किलो विस्फोटक के साथ पकड़ा जाने वाला मुजम्मिल शकील और डॉक्टर उमर मोहम्मद शामिल है। उमर मोहम्मद के लिए माना जा रहा है कि ये लाल किला मेट्रो पार्किंग ब्लास्ट में फिदायीन था। इस हमले में 9 लोगों की मौत हो गई है। उमर मोहम्मद भी फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज में पढ़ाता था। उमर ही वह शख्स था जो सोमवार को फरीदाबाद में जम्मू-कश्मीर पलिस की छापामारी से भाग निकला था। मुजम्मिल शकील को सोमवार को फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर की पुलिस टीम ने ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान पकड़ा गया था। मुजम्मिल पुलवामा का रहने वाला बताया जा रहा है। वह भी फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था। ये गिरफ्तारी सहारनपुर से गिरफ्तार अनंतनाग का डॉक्टर आदिल अहमद की निशानदेही पर हुई थी।

मुजम्मिल शकील ने फरीदाबाद के धौज इलाके में कमरा किराये पर ले रखा था। इस कमरे में ही 360 किलो विस्फोटक, 20 टाइमर, दो असॉल्ट रायफलें और अन्य सामग्री बरामद की गई थीं। उसकी निशानदेही पर ही फरीदाबाद के एक गांव से 2560 किलो से ज्यादा विस्फोटक भी मिला था। इस विस्फोटक को ले जाने के लिए ट्रक मंगाया गया था। आदिल मोहम्मद अनंतनाग के एक अस्पताल में सीनियर डॉक्टर है। इसने 19 अक्टूबर को श्रीनगर में जैश ए मोहम्मद के पोस्टर लगाए थे। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज में उसकी शिनाख्त हुई और उसे 6 नवंबर को सहारनपुर से पकड़ा गया।

जैश की लेडी टेरर हेड डॉ. शाहीना की मिली तस्वीर

जांच एजेंसियों द्वारा जांच में खुलासा हुआ था कि लखनऊ की रहने वाली डॉ. शाहीना भारत में जैश के लिए महिला विंग जमात उल मोमीनात का संचालन और नई भर्तियाँ (रिक्रूटमेंट) करने का जिम्मा संभाल रही थी। उसकी गिरफ्तारी इस पूरे आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बड़ा कदम है, जिसमें कई कट्टरपंथी डॉक्टर शामिल थे। शाहीना पर आतंकी संगठन के लिए महिलाएँ तैयार करने और देश के भीतर संगठन की जड़ें मजबूत करने का गंभीर आरोप है।

एटीएस ने पांच को हिरासत में लिया, मड़ियांव में डॉक्टर के घर दी दबिश

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। दिल्ली में सोमवार शाम को हुए धमाके के बाद यूपी में हाई अलर्ट है। पुलिस व एटीएस की टीमें संदिग्धों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं। सहारनपुर में एटीएस ने डॉक्टर अदील अहमद के करीबी बताए जा रहे तीन लोगों को हिरासत में लिया है। तीनों से गोपनीय स्थान पर पूछताछ की जा रही है। वहीं, दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है।

यूपी डीजीपी ने उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए स्थिति की समीक्षा की। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव में डॉ. परवेज अहमद अंसारी के घर जम्मू कश्मीर पुलिस, एटीएस व लखनऊ पुलिस ने दबिश दी। हालांकि, डॉक्टर नहीं मिला। टीमें सुबह सात बजे से मौजूद रहीं। लखनऊ अलीगंज के एसीपी सैयद अरीब अहमद ने कहा कि मड़ियांव में जम्मू कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया है। किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिस घर में छानबीन की गई है वो डॉ. परवेज अहमद अंसारी का है।

लखनऊ समेत प्रमुख शहरों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और बाजारों में भी सुरक्षा बाढ़ की गई। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की गई है कि वे किसी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला, एनआईए करेगी ब्लास्ट की जांच

दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के सामने हुए आतंकी विस्फोट की जांच गृह मंत्रालय ने राष्टीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। इस मामले की आगे की जांच अब ह्द्ध करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज यानी मंगलवार को इस मामले की समीक्षा के लिए अपने आवास पर हाई लेवल मीटिंग बुलाई थी। यह बैठक आज सुबह 11 बजे शुरू हुई थी। सभी उच्च अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। इसके बैठक के बाद ही जांच ह्द्ध को सौंपी गई है।

संबंधित खबर पृष्ठ 12 पर...

दिल्ली धमाके के बाद जोन में बढ़ी चौकसी

सघन चेकिंग अभियान जारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कन्नौज/कानपुर।दिल्ली में हुए धमाके के बाद कानपुर जोन पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। जोन के एडीजी आलोक सिंह ने सोमवार देर शाम कन्नौज जिले में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कोतवाली क्षेत्र में पैदल गश्त करते हुए बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटल और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया।

एडीजी आलोक सिंह ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।इस दौरान पुलिस की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। यात्रियों के सामान की जांच की गई और वाहनों की तलाशी भी ली गई ।एडीजी के निर्देश पर कानपुर जोन के सभी आठों जिलों में पुलिस की कांबिंग ऑपरेशन और सुरक्षा जांच लगातार जारी है। हर थाने और चौकी पर सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करने के आदेश दिए गए हैं ।एडीजी आलोक सिंह की सक्रियता से सुरक्षा तंत्र में नई ऊर्जा आई है। लोगों ने भी पुलिस की इस मुस्तैदी की सराहना की है।

आईजीआरएस में कानपुर को दस अंकों की उछाल, 63वीं रैंक

» डीएम की कार्रवाई और एडीएम सिटी की समीक्षा से मिला थोड़ा फायदा

» सितंबर में 73वीं रैंक से प्रशासन की हुई थी काफी फजीअत

» तहसील में शिकायत निस्तारण में घाटमपुर अव्वल, सदर तहसील फिर सबसे नीचे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शिकायत निस्तारण पर अफसरों का निगाह रखना आखिर सफल हो गया। प्रदेश में जिले की लगातार गिर रही आईजीआरएस रैंक ने दस अंकों की बडी उछाल मारी है। अक्टूबर में जिले की रैंक 81.43 प्रतिशत के साथ 63वीं है, सितंबर में रैंक 73वीं आई थी । एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि निगेटिव फीडबैक को लेकर काफी कार्य किया गया। अफसरों के साथ रोजाना समीक्षा की गई। अभी और सुधार की आवश्यकता है।

सितंबर माह में प्रदेश के 75 जिलों में आईजीआरएस की रैंक 73वीं आई , जिसके चलते प्रशासन की काफी फजीअत हुई। इसके बाद डीएम और पूरा प्रशासनिक अमला इसके सुधार पर लग गया।

एडीएम सिटी ने खराब विभागों को नोटिस जारी किया और रोजाना समीक्षा की गई। निगेटिव फीडबैक और अफसरों के मौके पर न जाने से गिर रही रैंक पर काफी काम किया गया। इसके बाद अक्टूबर में 140 में 114 अंक और 81.43 प्रतिशत से दस अंक की उछाल आ सकी है।

पिछले 8 महीने की रैंक

महीना	रैंक	प्रतिशत
फरवरी	61वीं	73.57 प्रतिशत
मार्च	41वां	75.71 प्रतिशत
अप्रैल	61वां	73.57 प्रतिशत
मई	68 वां	73.57 प्रतिशत
छुहृश्व	65वीं	74.29 प्रतिशत
छुह्रद्य4	58 वीं	78.57 प्रतिशत
अगस्त	70 वीं	77.86 प्रतिशत
सितंबर	73 वीं	78.57 प्रतिशत

पांच विभागों को दिया नोटिस

गिरती रैंक पर एडीएम सिटी ने उन विभागों की जांच आख्य मंगाई जिसपर अंक अधिक कटे। इसपर पर पांच बडे डिफाल्टर विभाग को शिकायत सहित नोटिस जारी की गई। विभागों को नोटिस जारी कर दो दिनों में आख्या रिपोर्ट मांगी– इसमें दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि, केडीए, सीएमओ, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद और नगर निगम को दो दिनों में आख्या रिपोर्ट मांगी है। सितम्बर माह की शासन स्तर से जारी होने वाली आईजीआरएस रैंक में 3 अंक सी–श्रेणीकृत संदर्भों के कारण कटे।

तहसील में शिकायत में घाटमपुर अव्वल

घाटमपुर तहसील ने जनसुनवाई व समस्याओं के समाधान में जारी रैंक में कानपुर नगर में प्रथम रैंक प्राप्त किया है। प्रदेश की 350 से अधिक तहसीलों में 42 वीं रैंक प्राप्त हुई है। 350 तहसीलों में´ Ghatampur को 100 में 98 नंबर मिले हैं और 42 रैंक मिली है। वहीं दूसरे नंबर पर नरवल तहसील को 82 अंक और 187 रैंक मिली है। तीसरे नंबर पर बिल्हौर तहसील 79 अंक और 219 रैंक है।

वहीं सबसे फिसड्डी सदर तहसील को 72 अंक के साथ 281 रैंक मिली है। वहीं तहसील के अफसरों का कहना है कि शिकायतों के संतुष्टता के साथ निस्तारण को लगातार प्रयास किया जा रहा है

बीएनएसडी शिक्षा निकेतन की छात्राओं ने जीती मंडलीय प्रतियोगिता

मण्डल स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का खिताब राज्य स्तरीय मुकाबले के लिए हुआ चयन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। राजकीय इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज में सोमवार को आयोजित मण्डलस्तरीय 'महीयसी महादेवी वर्मा वाद–विवाद प्रतियोगिता' में बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

कक्षा नवम् की छात्रा आराध्या सक्सेना (पक्ष) एवं अंजिका मिश्रा (विपक्ष) ने अपने प्रभावशाली तर्क, वाक–कौशल और विषय की गहन समझ से निर्णायकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में शामिल विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों के बीच दोनों छात्राओं ने अपने आत्मविश्वास और प्रस्तुति के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दोनों प्रतिभाशाली छात्राओं का चयन अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह ने छात्राओं की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे राज्य स्तर पर भी विद्यालय का नाम रोशन करेंगी। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में उत्साह और गर्व का माहौल है।

शहरी परिवहन की नई पहल

कानपुर मेट्रो चलाएगा सीएनजी वाहन

» घर और मेट्रो स्टेशन तक मिलेगी सवारी, 20 रूटों पर चलेगी सेवा, फर्स्ट एंड लास्ट माइल कनेक्टिविटी से यात्रियों को मिलेगी राहत

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अब मेट्रो की सवारी करने वाले यात्रियों को स्टेशन तक आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) ने शहर में फर्स्ट एंड लास्ट माइल कनेक्टिविटी की सुविधा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत मेट्रो के 20 रूटों पर सीएनजी वाहनों का संचालन किया जाएगा, ताकि यात्री अपने घर या दफ्तर से सीधे मेट्रो स्टेशन तक और वहां से अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकें। यह सुविधा कानपुर में जल्द शुरू हो सकती है।

यूपीएमआरसी के परिचालन निदेशक प्रशांत मिश्र ने इसके लिए उप परिवहन आयुक्त कानपुर से औपचारिक

स्वीकृति मांगी है। बताया गया है कि इन रूटों पर सीएनजी वाहन यात्रियों की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेंगे।मेट्रो के परिचालन निदेशक ने बताया कि पहले से सात रूट सीएनजी सेवा के अंतर्गत चयनित थे। अब यात्रियों की सुविधा को देखते हुए 13 नए मार्ग जोड़े गए हैं। ये सभी मार्ग मेट्रो स्टेशनों से जुड़कर यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी देंगे।

मेट्रो सेवाओं के विस्तार के साथ यात्री सुविधा का खास

प्रबंधन वर्तमान में 24 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर-1 में से 16

किलोमीटर हिस्से पर आईआईटी-कानपुर से मोतीझील-सेंट्रल स्टेशन तक मेट्रो सेवाएं चल रही हैं।

अगले वर्ष की शुरुआत में नौबस्ता तक ट्रैक के चालू होने की तैयारी है।इसके अलावा 8.6 किमी लंबे कॉरिडोर-2 (सीएसए से बर्रा-8) का निर्माण तेजी से जारी है। फिलहाल 14 स्टेशनों पर सात मेट्रो ट्रेनें प्रतिदिन 123 राउंड दौड़ रही हैं। मेट्रो प्रशासन के अनुसार यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

लेकिन, सर्वे के दौरान यह सामने आया कि अधिकतर यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने या वहां से गंतव्य तक जाने में कठिनाई होती है। इस समस्या के समाधान के लिए सीएनजी फीडर रूट्स की योजना तैयार की गई है।

शहरी परिवहन में क्या है फर्स्ट एंड लास्ट माइल कनेक्टिविटी

फर्स्ट माइल वह यात्रा होती है जिसमें यात्री अपने घर या दफ्तर से मेट्रो स्टेशन तक पहुंचता है, जबकि लास्ट माइल वह यात्रा है जो मेट्रो स्टेशन से उतरने के बाद गंतव्य तक होती है। यही कड़ी जोड़ने के लिए अब मेट्रो सीएनजी वाहनों का संचालन शुरू

करने जा रहा है।यूपीएमआरसी की यह पहल न केवल यात्रियों को सुविधा देगी, बल्कि शहर में सीएनजी वाहनों के उपयोग से प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। साथ ही, यह पहल स्मार्ट सिटी कानपुर के सतत परिवहन विजन को भी मजबूती देगी।

प्रमुख प्रस्तावित रूट इस प्रकार है

» 1. आईआईटी - मंधना- चौबेपुर (15.2 किमी)

» 2. कल्याणपुर- ब्लू वर्ल्ड- बिठूर (15.3 किमी)

» 3. गीता नगर-नमक फैक्ट्री- पनकी पड़ाव- सचेंडी (17.3 किमी)

» 4. गंगा बैराज - गीता नगर - विजय नगर -जरौली फेस-2 (15 किमी)

» 5. एलएलआर - गोविंद नगर- कर्रही रोड (8.5 किमी)

» 6. एलएलआर - स्वरूप नगर -आर्य नगर - मोतीझील (4.5 किमी)

» 7. नवीन मार्केट-ग्रीन पार्क - कंपनी बाग- गंगा बैराज (7.6 किमी)

» 8. झकरकट्टी - रामादेवी - चकेरी एयरपोर्ट (14.5 किमी)

» 9. नयागंज - लाल बगला - जाजमऊ (10 किमी)

» 10. शुक्लागंज बाईपास - स्टेटस क्लब - नयागंज (6.3 किमी)

» 11. बसंत विहार-रामादेवी -चकेरी एयरपोर्ट (15.1 किमी)

» 12. वसंत विहार - कोयला नगर - कांशीराम कॉलोनी (10 किमी)

» 13. नौबस्ता-रमईपुर विधनू (11 किमी)

चलती कार बनी आग का गोला, कारोबारी और चालक ने कूदकर बचाई जान

एलएलआर अस्पताल के पास देर रात हादसे से मची अफरातफरी, 10 मिनट तक रोका गया ट्रैफिक

» मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एलएलआर अस्पताल के पास सोमवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब तेज रफ्तार से जा रही एक अर्टिगा कार अचानक आग का गोला बन गई। कार में सवार कारोबारी और चालक ने समझदारी दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के मुताबिक, फर्रुखाबाद के कमालगंज निवासी मशीनरी के कारोबारी सौरभ अग्रवाल सोमवार को व्यापार के सिलसिले में शहर आए थे। देर रात वह चालक मनोज के साथ अर्टिगा कार से वापस लौट रहे थे। एलएलआर अस्पताल के पास इंजन से अचानक धुआं उठने लगा। चालक मनोज ने फौरन कार रोक दी और सौरभ को बाहर निकाला। कुछ ही क्षणों में कार पूरी तरह से लपटों में घिर गई। आसपास के लोगों ने पानी डाल कर आग बुझाने में मदद की। मौके पर स्वरूप नगर पुलिस पहुंची और सुरक्षा के लिए करीब 10 मिनट तक ट्रैफिक रोक दिया। हालांकि फायर ब्रिगेड की गाड़ी 20 मिनट बाद पहुंची, तब तक स्थानीय लोग आग पर काबू पा चुके थे। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि कोई जनहानि नहीं हुई।

संदिग्ध परिस्थिति में सड़क किनारे मिला अधेड़ का शव

सिर-मुंह पर चोट के निशान, फोरेंसिक व पुलिस ने की जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सेवा मंदिर के पास सोमवार सुबह सड़क किनारे एक अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान दुर्गा प्रसाद (50) पुत्र कन्हैयालाल, निवासी नाथूख़ाल, थाना बिल्हौर के रूप में की। मृतक के सिर और मुंह पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। परिजनों के अनुसार, दुर्गा प्रसाद रविवार शाम करीब सात बजे घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। रातभर परिजनों ने तलाश की, पर कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी।

सूचना पाकर कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की छानबीन की और फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया। अधिकारियों ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य जुटाए। एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह भी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

परिजनों का आरोप है कि दुर्गा प्रसाद की हत्या कर शव सड़क किनारे फेंका गया है। उनका कहना है कि शरीर पर गंभीर चोटों के निशान यह दर्शाते हैं कि वारदात कहीं और हुई और शव बाद में यहां लाकर डाला गया। पुलिस का कहना है कि मामला संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। एसीपी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिल्हौर को जिला बनाए जाने की मांग तेज

बिगुल बजाकर एसडीएम को सौंपा 325वां ज्ञापन

» बोले सियाराम दास कठेरिया- नहीं रुकेगा संघर्ष

» कई महीनों तक तहसील परिसर में रह चुके क्रमिक अनशन पर।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। जनहित की मांगों को लेकर सोमवार को बिल्हौर तहसील परिसर बिगुल की धुन से गूंज उठा। सर्वसमाज उत्थान सेवा समिति उत्तर प्रदेश के पदाधिकारी महंत सियाराम दास कठेरिया बिगुल बजाते हुए समर्थकों संग तहसील पहुंचे और 325वां ज्ञापन एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित एवं एसीपी मंजय सिंह को सौंपा।

महंत सियाराम दास कठेरिया ने बताया कि समिति लंबे समय से बिल्हौर को ज़िला घोषित करने और जनहित की पाँच सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्षरत है, परंतु शासन स्तर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जब तक जनता की मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हर महीने की 10 तारीख को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसील स्तर पर सौंपा जाएगा।

कठेरिया ने कहा जनता की आवाज़ बनकर यह आंदोलन जारी रहेगा, अब संघर्ष रुकेगा नहीं। गौरतलब है कि वे कई महीनों तक तहसील परिसर में क्रमिक अनशन पर भी बैठे रह चुके हैं। सोमवार को उन्होंने बिगुल बजाकर अपनी नाराजगी का अनोखा अंदाज़ दिखाया और जनहित की मांगों को फिर से प्रमुखता से उठाया।

बिल्हौर कस्बा इंचार्ज ने अवैध तमंचे संग पकड़ा संदिग्ध युवक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिल्हौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम चौखंडी मार्ग पर एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया।

अवैध असलहे के साथ कर रहा था आवाजाही

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी, तभी चौखंडी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली, तो उसके पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और सौ रुपये नकद बरामद हुए।

आरोपी की पहचान सरताज उर्फ भोंदा पुत्र फारुख निवासी इंद्रानगर, बिल्हौर के रूप में हुई। पूछताछ में वह हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं दिखा सका।

कस्बा इंचार्ज प्रेमवीर सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दिल्ली धमाके के बाद कानपुर में हाई अलर्ट, चला चेकिंग अभियान

एसीपी बिल्हौर के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और बाजारों में पुलिस ने संभाली कमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। दिल्ली में हुए धमाके के बाद पूरे यूपी में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इसी क्रम में कानपुर पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। कानपुर कमिश्नरेट के बिल्हौर एसीपी मंजय सिंह के नेतृत्व में कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने रात को कस्बे के मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर भारी पुलिस बल के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया। अचानक हुई इस कार्रवाई से यात्रियों और स्थानीय लोगों में हलचल मच गई।

पुलिस टीम ने बसों, ऑटो, ट्रेनों और यात्रियों के बैग की बारीकी से तलाशी ली। रेलवे स्टेशन और बस अड्डे के हर कोने में पुलिसकर्मियों ने जांच की और संदिग्ध दिखे लोगों से पूछताछ की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह चेकिंग अभियान दिल्ली धमाके के बाद सतर्कता के तौर पर चलाया गया है,

» यात्रियों के बैग और संदिग्धों की ली तलाशी

ताकि किसी भी तरह की सुरक्षा चूक न हो सके। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों,जैसे मंदिर, बाजार और सार्वजनिक स्थल पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। बताया कि जिले में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुलिसकर्मियों को चौक-चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे भीड़भाड़ वाले इलाकों में सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध वस्तु को देखकर उसे स्वयं हाथ न लगाएं बल्कि पुलिस को सूचित करें या किसी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

सम्पादकीय

महिला सुरक्षा कानूनों का दुरुपयोग

सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए धमाके में कुछ अनमोल जिंदगियों का खत्म होना बेहद दुखद है। काफी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। धमाके के बाद आसपास के कई वाहनों में लगी आग पर काबू पाने में अग्निशमन दल को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पहली नजर में पुलिस इसे आतंकी घटना मानकर चल रही है। इसे संयोग मानें या दुर्योग कि आतंकवादियों के किसी भीड़-भाड़ वाले स्थान को निशाने बनाने से पहले कार में ही धमाका हो गया। देश की केंद्रीय एजेंसियां आतंकवादियों की साजिश को बेनकाब करने में जुटी हैं। पहले फरीदाबाद में कई जगह से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी और फिर दिल्ली में धमाके का एक दिन होना, निस्संदेह किसी बड़ी साजिश की आशंका की ओर इशारा कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा स्थित फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव में राज्य और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की साझा रेड में करीब तीन हजार किलो से अधिक विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ था। इस मामले में गिरफ्तार दो आरोपी कश्मीरी मूल के बताए जाते हैं। इससे पहले रविवार को गांव के एक कमरे से 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद होने की बात कही जा रही है। कल पुलिस ने दूसरे घर से 2,563 संदिग्ध विस्फोटक की बरामदगी की है। बताया जाता है कि एक मौलाना ने यह घर एक डॉ. मुजामिल ने किराये पर लिया हुआ था। पुलिस तफ्तीश में जुटी ह और क्या इनके किसी आतंकी संगठन से तार जुड़े हैं। पुलिस का दावा है कि डॉक्टर के फरीदाबाद स्थित ठिकाने से अधिकारियों ने अमोनियम नाइट्रेट और अन्य रासायनिक पदार्थों सहित आईईडी बनाने की सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। जाहिर है, देश के भीतर बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रची जा रही थी। इस मामले में मिल रही चौंकाने वाली जानकारी इसी ओर संकेत कर रही है।जम्मू-कश्मीर पुलिस दावा कर रही है कि उसने विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर चिकित्सकों के एक कट्टरपंथी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। जब श्रीनगर के नोगाम इलाके में एक पोस्टर लगा दिखा, जिसमें दुकानदारों को केंद्रीय एजेंसियों से लेन-देन न करने की चेतावनी दी गई थी। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज में पोस्टर लगाने वाले जिस व्यक्ति की शिनाख्त हुई, वह सहारनपुर में कश्मीरी मूल का डॉक्टर अदील निकला। पूछताछ में उसके श्रीनगर में कुछ अन्य डॉक्टरों से संबंधों का खुलासा हुआ। डॉ. अदील की गिरफ्तारी के बाद फरीदाबाद में डॉ. मुजामिल सहित अन्य डॉक्टरों की पहचान हुई। बताते हैं कि फरीदाबाद स्थित एक क्लीनिक से ही बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि मानवता की सेवा की शपथ लेकर चिकित्सा के पेशे में आने वाले लोग कैसे कट्टरपंथ के चलते लोगों की जिंदगी छीनने वाले खौफनाक खेल का हिस्सा बन गए। जाहिर है, इस मॉड्यूल का मकसद देश के विभिन्न हिस्सों में धमाकों के जरिये दशहत फैलाना ही रहा होगा। निश्चय ही बड़ी मात्रा में विस्फोटकों की बरामदगी तथा आईईडी बनाने के सामान बरामद होना किसी बड़ी साजिश की ओर ही इशारा कर रहा है।

सीमाओं की आंतरिक सुरक्षा की चुनौती का मुकाबला

???

भारत की हजारों किलोमीटर की सीमा कई देशों से लगती है जिनमें चीन,म्यांमार, पाकिस्तान और बांग्लादेश ऐसे हैं जहां से हमारे लिए खतरा है। इन सीमाओं की रक्षा के लिए भारतीय सेना व सीमा सुरक्षा बल मजबूती से तैनात है। लेकिन एक नई आंतरिक समस्या सिर उठा रही है। यानी दुश्मन हमें भीतर से कमजोर करना चाहता है। इसके तहत सीमावर्ती इलाकों में वह अपने लोग तो बसा ही रहा है, हमारे इलाकों में कई तरह के ढांचे तैयार करवाने की कोशिश कर रहा है। समस्या यह है कि उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कठिन जीवन होने के कारण वहां से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है और कई महत्वपूर्ण जगहों पर तो स्थानीय निवासी हैं ही नहीं। उत्तराखंड में तो यह बहुत बड़ा सिरदर्द है जहां 275 किलोमीटर की सीमा चीन से लगती है।

वहां के गांवों में बड़े स्तर पर पलायन से वहां सन्नाटा है और दुश्मन के लिए मौका है। ऐसा ही खतरा पंजाब और बंगाल में है जहां दुश्मन बहुत सक्रिय है। बांग्लादेश से लगती बंगाल, त्रिपुरा और असम के सीमावर्ती इलाकों में तो डेमोग्राफिक बदलाव देखे जा रहे हैं। वहां सीमा पर धार्मिक ढांचे भी बनाये जा रहे हैं। जिससे सीमा की सुरक्षा को खतरा है। इन राज्यों में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों और यहां तक कि रोहिंग्याओं का घुसपैठ होता रहा है और इन्हें इन धार्मिक स्थानों में शरण तक मिल जाती है। यह खतरे की घंटी है क्योंकि इससे हमारी सीमाएं असुरक्षित हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखकर ही गृह मंत्रालय ने बंगाल सहित सत्रह राज्य सरकारों को पत्र लिखा है और उनसे फौरन कार्रवाई करने को कहा है। इतना ही नहीं गृह मंत्री ने बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान वगैरह देशों से सटे राज्यों की सरकारों को कहा है कि वे सीमा के अंदर 30 किलोमीटर तक बने अवैध धार्मिक ढांचों को गिरा दें। दरअसल आसन्न खतरे को देखते हुए भारत सरकार और गृह मंत्रालय ने अपनी नीति में अग्रसक्रिय यानी पहले ही सक्रिय हो जाने की नीति अपनाई है ताकि किसी तरह की

विपरीत समस्या से मुकाबला करने का अवसर न आये। डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसांख्यिकीय बदलाव देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है और यह स्वाभाविक रूप से नहीं हुआ है। इससे दुश्मन को मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से यह मुद्दा उठाया था और कहा था कि सीमावर्ती राज्यों में एक साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव किया जा रहा है। यह देश की सुरक्षा को बड़ा खतरा है। इसका मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री ने उच्च अधिकार वाली जनसांख्यिकी बदलाव मिशन तैयार करने की घोषणा भी की ताकि स्थानीय आबादी को बाहर वालों से बदलने की साजिश को रोकें। इस रणनीति के तहत हाल ही में दो दिनी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम वर्कशॉप किया गया। इसमें गृह मंत्री ने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर तक के अवैध धार्मिक ढांचों को ढहा दें। यह रणनीतिक कदम समस्या खड़ी होने से पहले उठा लिया जाए।

जीवंत गांव कार्यक्रम यानी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम तीन बिंदुओं पर आधारित हैं। पहला तो यह है कि सीमावर्ती राज्यों से स्थानीय पलायन रोका जाये। दूसरे सीमावर्ती राज्यों के निवासियों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का शत-प्रतिशत लाभ मिले। तीसरा यह है कि इस प्रोग्राम के तहत सीमा और उसकी सुरक्षा को और मजबूत करने के उपाय किये जायें। इस कार्यक्रम के तहत पहले से चिन्हित गांवों को जल्दी ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा के केन्द्र में लाया जायेगा। सरकार वहां इन्फास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। साथ ही वहां की संस्कृति को बनाये रखने में मदद करेगी।

युवाओं को प्रेरित करती लड़कियों की सफलता

जीतने की खबर

ज्वाला सिंह दास

उत्कृष्टता के प्रति एकनिष्ठ समर्पण ने हमारी लड़कियों को बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाया। होशियारपुर से सहजलदीप कौर का एनडीए की मेरिट में स्थान पाना और महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतना युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।... उत्कृष्टता के प्रति एकनिष्ठ समर्पण ने हमारी लड़कियों को बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाया। होशियारपुर से सहजलदीप कौर का एनडीए की मेरिट में स्थान पाना और महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतना युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सफलता के लिए कर्ज लेकर विदेश जाना जरूरी नहीं। सरकार व उद्योग प्रतिभा को पहचानें, देश में रोजगार पैदा करें।

'होशियारपुर से 30 किलोमीटर दूर चोटाला गांव के एक छोटे किसान की बेटी सहजलदीप कौर ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की मेरिट सूची में 13वां स्थान पाया, जिससे वह अपने गांव का गौरव और असंख्य ग्रामीण लड़कियों के लिए आशा की किरण बन गई'। पढ़ाई ग्रामीण स्कूलों में हुई और मोहाली स्थित माई भागो सशस्त्र बल तैयारी संस्थान में ट्रेनिंग ली। जब मैं ये लेख लिखने बैठा, तभी भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतने की खबर आई। इस टीम में पंजाब, हरियाणा और हिमाचल की करीब पांच ग्रामीण लड़कियां हैं। मेरी राय में, वे न केवल शेष ग्रामीण लड़कियों के लिए, बल्कि लड़कों के लिए भी आशा की किरण हैं। निचले आर्थिक तबके की ये लड़कियां, जिनके माता-पिता कभी क्रिकेट पिच

के पास तक नहीं गए होंगे, खेलना तो दूर की बात, उन्होंने साबित कर दिया कि उत्कृष्टता के प्रति समर्पण शॉर्टकट तलाशे बिना, गरीबी से उबरने में सक्षम बनाता है। स्व-प्रेरित, अधिकांशतः स्व-शिक्षित, माता-पिता का प्रोत्साहन व आगे उनके खेल कौशल को मान्यता और पेशेवर कोचिंग का साथ मिला। पुराने दिन चले गए,पश्चिम को अब सस्ते विदेशी श्रम, आईटी और इंजीनियरिंग पेशेवर, या कहें कि छात्रों की और ज़रूरत नहीं। यह बात अमेरिका द्वारा अपनी व्यापार नीतियों, पेशेवरों और छात्रों के लिए नई वीज़ा नीतियों और अवैध प्रवासियों पर बढ़ते संरक्षणवादी रुख से जाहिर हैं। नौकरियां देने से मना किया जा रहा या उन्हें नागरिकता स्टेटस से जोड़ दिया है। नस्लवाद भी भयावह रूप में है, जिसमें रेप, शारीरिक-मौखिक दुर्व्यवहार और हत्या तक की घटनाएं हो रही हैं। सड़कों पर, अपनी दुकानों के सामने या घरों में, अप्रवासियों को कई रूपों में नफ़रत झेलनी पड़ रही। यह प्रवृत्ति अमेरिका तक सीमित नहीं; ब्रिटेन व यूरोप के कुछ हिस्सों और ऑस्ट्रेलिया में भी दक्षिणपंथी विचारधारा खुलकर सामने आ रही है। इसके कई कारण हैं ः (क) उनकी अपनी अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ना और चीन एवं उसकी औद्योगिक ताकत के उदय से मिलती कड़ी चुनौती; (ख) प्रौद्योगिकीय प्रगति व एआई के आगमन ने ऑटोमेशन और कंप्यूटिंग को जन्म दिया, जिससे सस्ते विदेशी श्रम और तकनीकी विशेषज्ञों की ज़रूरतें कम हो रही। एक नया बदलाव घेर रहा है जिसका रोज़गार पर पूरा असर अभी देखना-समझना बाकी है । पश्चिम का संदेश स्पष्ट है – 'घर जाओ'।

सवाल हैः इस नए युग के आगमन में भारत कहां खड़ा है? गत वित्त वर्ष में भारत को 135.46 अरब डॉलर की विदेशी धनराशि प्राप्त हुई (द टाइम्स ऑफ इंडिया, जून 2025), लगभग 10 वर्ष हम लगातार सर्वाधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त करने वाला मुल्क बने रहे। लगभग 150 करोड़ की आबादी वाला यह देश, जो दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है, जहां लगभग 6 प्रतिशत लोग अत्यधिक गरीबी में गुजारा करते हैं और करीब 13 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं, और उच्च शिक्षा प्राप्त स्नातकों में तो यह आंकड़ा बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया है (विश्व बैंक के अनुसार), उसके सामने भारी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं।

सदर तहसील में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई सवालों के घेरे में !

चेहरा साफ दिखने वाले वीडियो के बावजूद अज्ञात पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट

» एसडीएम ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।सदर तहसील में भ्रष्टाचार को लेकर उठे सवालों के बीच अफसरों की कार्यशैली एक बार फिर कटघरे में है। तहसीलदार न्यायिक कैलाश नाथ यादव पर कार्रवाई के नाम पर प्रशासन की ओर से किए गए कदमों को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। वीडियो में चेहरा साफ दिखने के बावजूद अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने को लेकर एसडीएम सदर ने पूर्व न्यायिक तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने स्पष्ट किया कि जब वीडियो में संबंधित व्यक्ति का चेहरा साफ दिख रहा है और पहचान भी संभव है, तो अज्ञात के नाम पर रिपोर्ट क्यों दर्ज कराई गई। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि भ्रष्टाचार के मामलों में लीपापोती की गुंजाइश न रहे।

करीब एक सप्ताह पहले सदर तहसील की कोर्ट में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें रुपये के लेनदेन की गतिविधियां कैमरे में कैद थीं। वीडियो में कोर्ट परिसर के अंदर कथित लेनदेन के दृश्य सामने आने से प्रशासन की साख पर सवाल खड़े हो गए। इस घटना पर

जिलाधिकारी जेपी सिंह ने एडीएम न्यायिक को जांच सौंपी। रिपोर्ट आने के बाद तहसीलदार न्यायिक कैलाश नाथ यादव को कारण बताओ नोटिस दिया गया।हालांकि, उसी बीच उन्होंने कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर डैमेज कंट्रोल करने का प्रयास किया। रिपोर्ट में कहा गया कि कोर्ट में दो बाहरी व्यक्ति आपस में लेनदेन कर रहे थे, जिससे न्यायालय की छवि धूमिल हुई।सदर तहसील में हुए इस प्रकरण ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वाकई भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की जा रही है या फिर महज़ औपचारिकता निभाई जा रही है? चेहरा साफ दिखने वाले वीडियो के बावजूद 卐अज्ञात卐 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होना प्रशासन की नीयत पर संदेह पैदा करता है।

अफसरों की कार्यशैली पर उठे सवाल !

वीडियो में चेहरा साफ दिखने के बावजूद अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराना प्रशासनिक गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। इस कदम को लेकर कलेक्ट्रेट और कचहरी परिसर में चर्चाओं का दौर जारी है। कई अधिवक्ताओं और कर्मचारियों का कहना है कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचारियों को बचाने का प्रयास प्रतीत होती है।

तहसीलदार न्यायिक कैलाश नाथ यादव पहले

वायरल वीडियो में साफ दिखती फोटो

भी कई विवादों में घिरे रहे हैं। अधिवक्ताओं से विवाद और कार्यशैली को लेकर कई बार शिकायतें शासन तक पहुंच चुकी हैं। हालिया विवाद के बाद जिलाधिकारी जेपी सिंह ने उन्हें घाटमपुर स्थानांतरित कर दिया है।

विभागों की खींचतान में उलझी सीएम ग्रिड योजना

» विभागों के आपसी समन्वय न होना बना बडी मुसीबत, सीएम ग्रिड योजना में नियमों को दरकिनार कर कुछ विभाग खूब कर रहे मनमर्जी

» सैकड़ों मकान और हजारों परेशान, जनता की मुसीबतों से बेपरवाह हैं सरकारी हुक्मरान, ठेकेदार कंपनियां कर रहीं मानकों से खिलवाड़

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम जोन 6 के अंतर्गत आवास विकास बगिया रोड की सीएम ग्रिड योजना के तहत विकास के आयामों को गढ़ने वाले काम अधर में लटके हुए हैं। वाटर, सीवर, सड़क और विद्युत व्यवस्था के काम की डेड लाईन खत्म हो चुकी हैं पर काम 10 फीसदी भी पूरा नहीं हुआ है। सरकारी हुक्मरान बेपरवाह हैं और जनता परेशान है। ठेकेदार कंपनियां मनमानी कर रहीं हैं।

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
सीएम ग्रिड योजना के निर्माण में अंधेरगर्दी, अफसर मौन

स्वराज इंडिया में प्रकाशित हुई थी खबर

यथास्थिति में सीवर चैंबर ढक कर करतूतों पर पर्दा डाला गया

सोमवार को जब जनता के बीच स्वराज इंडिया ने सीएम ग्रिड योजना के तहत विकास के काम की समीक्षा की तो स्थानीय जनता ने अपना दर्द सुनाया। मौके पर जलकल और जल निगम के अधिकारी मौजूद थे। सीवर चैंबर में वाटर लाइन डेल जाने को लेकर लोगों ने आपत्ति जताई जिस पर मकान नंम्बर 1009 से 1014 तक यथास्थिति में सीवर चैंबर ढक कर करतूतों पर पर्दा डाला गया। वहीं आगे की लाइन डालने में सुधार किया गया हैं। लाइन डालने में बेस नहीं बनाया गया है। वहीं अफसरों का कहना हैं कि केस्को के विद्युत पोल मुसीबत बन रहे हैं जिस कारण लाइन डालने के काम में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उधर बताया गया कि केस्को ने अपना इस्टीमेट तक अप्रूव नहीं करा पाया है जिस कारण केस्को अपनी जिम्मेदारी से विरत है। इधर पुरानी सीवर लाईन ओवर फ्लो है जिस कारण खुदाई में लाइन टूटने से भारी जलभराव व बदबू से स्थानीय लोगों को रहना मुश्किल हो गया है। जलकल और जल निगम के अफसर इस मुसीबत का ठीकरा नगर निगम पर फोड़ते दिखते हैं। रोड पर खुदाई से फैली मिट्टी सीवर भराव से कीचड़ बन गई है जहां आए दिन राहगीर और स्थानीय लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे हैं। सीएम ग्रिड योजना के तहत विकास कार्यों में विभागों की आपसी खींचतान और एक दूसरे पर टालमटोल रवैया लोगों के लिए मुसीबतों का सबब बना हुआ है और जिम्मेदार विभागों के अफसर एक दूसरे का मुंह ताकते रहते हैं। इस बीच ठेकेदारों की अपनी मनमानी चल रही है। आरोप हैं कि निर्माण कार्य में ठेकेदार मनमानी काम कर रहे हैं और मानकों की अनदेखी की जा रही है। मौके पर मौजूद जलकल के अधिकारी ने बताया कि जनवरी 2026 तक सीवर वाटर लाईन का काम पूरा कर दिया जाएगा यह हमारे विभाग का मामला है बाकी के जवाब अन्य विभाग से लिए जा सकते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता रोहित लाल

वर्मा, राजाराम , अतिश पटेल, आशीष कुशवाहा, आशीष विश्नोई, विकी भटनागर, नीरज राजपूत, आरए गौतम, आदि रहे।

सर्तकता

दिल्ली ब्लास्ट के बाद कानपुर

सेंट्रल स्टेशन पर हर जगह तलाशी

» संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार के नेतृत्व में चला सघन चेकिंग अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी के तहत कानपुर पुलिस ने शहर के प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। रात को संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) आशुतोष कुमार के नेतृत्व में कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर हाई अलर्ट के मद्देनजर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमें स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, पार्किंग एरिया और आसपास के संवेदनशील बिंदुओं पर तैनात रहीं। पुलिस ने यात्रियों के सामान और संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने भी स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में सर्च ऑपरेशन चलाया। संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार ने बताया कि दिल्ली में हुए धमाके के बाद शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता किया गया है। प्रमुख रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सतर्क निगरानी रखी जा रही है। स्टेशन पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी और सघन चेकिंग से यात्रियों में सुरक्षा का एहसास देखने को मिला। पुलिस ने यात्रियों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

शहर हाई अलर्ट पर, एडीसीपी ने दबोची पुलिस कैप रखी थार और स्कार्पियो

चेकिंग के दौरान पकड़ी गई संदिग्ध थार-स्कार्पियो, एडीसीपी ने किया सीज

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धमाके के बाद कानपुर में सोमवार देर रात रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया। सुरक्षा के स्तर को बढ़ाते हुए शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस, पीएसी और बम निरोधक दस्ते ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। रेलवे स्टेशन, झकरकटी बस अड्डा और प्रमुख चौराहों पर पुलिस ने यात्रियों और वाहनों की गहन जांच की। इसी दौरान एडीसीपी वेस्ट कपिल देव सिंह ने पनकी थानाक्षेत्र में चेकिंग के दौरान काली रंग की एक थार और स्कार्पियो को रोका। दोनों गाड़ियों में डंडा और पुलिस कैप मिलने पर शक गहराया। पूछताछ में सामने आया कि एक वाहन होमगार्ड का बेटा चला रहा था, जबकि दूसरी दरोगा के बेटे के नाम पर थी।

एडीसीपी ने बताया कि दोनों गाड़ियों पर नंबर प्लेट नहीं थी। मौके पर ही दोनों वाहनों को सीज कर थाने भिजवा दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना वैध पहचान और नंबर प्लेट के कोई वाहन नहीं छोड़ा जाएगा, चाहे वह किसी का भी क्यों न हो।

पुलिस कैप भी काम नहीं आई

रेड अलर्ट के बीच गाड़ियों में पुलिस कैप रखकर चेकिंग से बचने का शातिराना चलन भी बेनकाब हो गया है। इधर देखने में आया है कि कई लोग अपनी निजी कारों के डैशबोर्ड पर पुलिस की टोपी रखकर जानबूझकर ऐसा दिखाते हैं मानो वे पुलिस वैन या आधिकारिक गाड़ी हो। ताकि सड़क पर होने वाली चेकिंग में उनसे सवाल न किया जाए; कुछ मामलों में परिवार के किसी सदस्य का वास्तव में पुलिस में होना भी इस नकल को वैध ठहराने की आड़ बनता है। अधिकतर लोग तो पुलिस यूनिफॉर्म शॉप से खरीदी गई यूनिफॉर्म टोपी ही रखकर चलते हैं। यह न केवल व्यवस्था को गुमराह करने की कोशिश है बल्कि संवैधानिक अथॉरिटी की छवि के साथ छेड़छाड़ और अपराध की श्रेणी में आता है; इसलिए ऐसी घटनाओं की गहन और तीव्रता से जांच आवश्यक है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

खत्म होगी मुसीबत, खलासी लाइन में बनेगी 70 लाख की आरसीसी सड़क

» भाजपा विधायक नीलिमा कटियार ने सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के खलासी लाइन क्षेत्र के लोगों को अब टूटी-फूटी सड़कों से राहत मिलने की उम्मीद है। भाजपा विधायक नीलिमा कटियार ने 70 लाख रुपये की लागत से भैरोघाट चौराहा से एलेन हाउस स्कूल चौराहा तक बनने वाली आरसीसी सड़क का शिलान्यास किया स्थानीय निवासियों ने बताया कि पिछले करीब सात साल से सड़क जर्जर हालत में थी, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी होती थी। सड़क निर्माण के दौरान गड्ढे और धूल की वजह से रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा था। शिलान्यास के मौके पर विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि सड़क बनने से क्षेत्रवासियों को सुविधा मिलेगी और स्थानीय व्यापारियों को भी राहत पहुंचेगी। स्थानीय लोगों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि अब सड़क बनने से क्षेत्र की सूरत बदलने की उम्मीद है।

दिल्ली धमाके के बाद हाई अलर्ट, डीआईजी-एसपी ने पुखरायां स्टेशन पर की चेकिंग

» स्टेशन पर मौजूद यात्रियों की जांच, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। दिल्ली में हुए धमाके के बाद हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए जगह-जगह सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिए गए हैं। इसी क्रम में डीआईजी हरीश चंद्र और पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने पुलिस बल के साथ पुखरायां स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों की जांच की और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया। स्टेशन पर बैठे यात्रियों के सामानों की चेकिंग की गई।

अहमदाबाद से लखनऊ जा रही साबरमती एक्सप्रेस के कोचों में डॉग स्कायड की मदद से भी चेकिंग की गई। इसके बाद पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर रेंज कानपुर हरीश चन्दर तथा पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय देर रात गजनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत बहावलपुर स्थित रिलाइंस ऑयल डिपो में अचानक पहुंचकर वहां की सुरक्षा

पुखराया रेलवे स्टेशन पर जांच करते डीआईजी एसपी

व्यवस्था का जायजा लिया।मजबूत करने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम (त्तक्रञ) और बम निरोधक दस्ते को भी अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस प्रशासन ने आम

जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति के दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय,भोगनीपुर सीओ संजय कुमार सिंह, कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह,गजनेर जनार्दन प्रताप,नायब तहसीलदार सूर्यप्रकाश भोगनीपुर,चौकी इंचार्ज पुखरायां अमरेंद्र प्रताप सिंह, देवीपुर अभिषेक चौहान अन्य लोग मौजूद मौजूद रहे

बिहार में एनडीए की बनेगी प्रचंड सरकारः क्षत्रिय महासभा

» सरवनखेड़ा से भाजपा नेताओं का बड़ा बयान

योगी आदित्यनाथ के प्रचार से बदला चुनावी समीकरण, भाजपा के पक्ष में लहर तेज

» स्वराज इंडिया संवाददाता

माती (कानपुर देहात)।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं क्षत्रिय महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि सिंह गौर और राष्ट्रीय महामंत्री शिव बरन सिंह चौहान ने रविवार को संयुक्त प्रेस वार्ता में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। दोनों नेताओं ने दावा किया कि बिहार में एनडीए गठबंधन की प्रचंड बहुमत से सरकार बनना अब तय हो चुका है।

रवि सिंह गौर ने बताया कि बीते 15 दिनों से बिहार में सघन प्रचार अभियान चलाया गया, जिसमें उन्होंने और शिव बरन सिंह चौहान ने मोहनिया, भभुआ, चैनपुर, चेनारी और सासाराम जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इन सभी सीटों पर भाजपा की एकतरफा जीत निश्चित है।वरिष्ठ नेता शिव बरन सिंह चौहान ने कहा कि बिहार के मतदाताओं में एनडीए को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। जनता केंद्र और राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों से प्रभावित है और एक बार फिर एनडीए को जनादेश देने के मूड में है।नेताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे ने चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। रवि सिंह गौर ने कहा, जब से योगी आदित्यनाथ ने बिहार में प्रचार शुरू

किया है, वहां भाजपा के पक्ष में लहर चल पड़ी है। बिहार की जनता उन्हें सुनने और देखने के लिए उमड़ रही है। उनके उद्बोधन से पूरा बिहार उत्साहित है।दोनों नेताओं ने व्यंग्य करते हुए कहा, अब बिहार के लोग लालटेन की मद्धिम रोशनी नहीं, एलईडी की चमक चाहते हैं। 14 नवंबर को पप्पू, गप्पू और चप्पू किसी का अता–पता नहीं चलेगा, क्योंकि बिहार की जनता विकास के उजाले को चुन चुकी है।प्रेस वार्ता में प्रह्लाद सिंह राजावत, बबलू द्विवेदी, अरुण चतुर्वेदी, पंकज सिंह राजावत, बलराम सिंह, विकास सिंह चौहान समेत कई भाजपा कार्यकर्ता और क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

माती पुल के पास तेज रफ्तार कार पलटी, तीन लोग घायल

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। माती मुख्यालय पुल के पास एक सडक़ हादसा हुआ। जालौन से आ रही एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए राहगीरों और ग्रामीणों ने तुरंत ऑटो की सहायता से सभी घायलों को नजदीकी प्राइवेट गौरी हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह हादसा कार की तेज रफ्तार और पुल के मोड़ पर चालक का नियंत्रण खोने के कारण हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों का इलाज जारी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मौके पर त्वरित सहायता और सडक़ सुरक्षा में सुधार की मांग की है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दोस्त की हालत गंभीर

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के असालतगंज मऊ मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक के शव का पंचनामा भर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा जबकि घायल को उपचार के लिए सीएचसी पहुंचाया। थाना क्षेत्र के शहबाजपुर निवासी राजेश 45 पुत्र श्रीकृष्ण बाइक से अपने साथी अनिल पुत्र वंश लाल निवासी शहबाजपुर के साथ असालतगंज से वापस घर जा रहा था। बाइक अनिल चल रहा था अभी वह असालतगंज मऊ मोड़ के निकट ही

पहुंच पाए थे कि किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे राजेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल अनिल को सीएचसी रसूलाबाद लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद डॉक्टरों ने हैलट रेफर कर दिया। वहीं राजेश की मौत से बड़ी संख्या में ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। घटना से परिजन रो रोकर बेसुध रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

शिक्षक का परिवार गया बाहर चोरों ने जेवर-नकदी उड़ाई

» कानपुर देहात के सिकंदरा थाना क्षेत्र का मामला, चोरों के आतंक से ग्रामीण भयभीत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चोरो ने अलमारियो के ताले तोड़ दिए

कानपुर देहात। सिकंदरा कस्बे में एक शिक्षक के किराए के घर में चोरी का मामला सामने आया है। शिक्षक ऋमांशु कटियार अपनी पत्नी और नवजात बच्ची के साथ ससुराल गए हुए थे तभी अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोडक़र लाखों रुपए के जेवर और नगदी पार कर दी।

पीड़ित शिक्षक ने बताया कि चोरों ने मुख्य द्वार का ताला तोड़ा और फिर आलमारियों के ताले तोडक़र सामान बिखेर दिया। इसके बाद लाखों रुपए के जेवर व 25 हजार नगदी लेकर चोर फरार हो गए।

पीड़ित ने तत्काल थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं प्रभारी निरीक्षक हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया है कि तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की जाएगी।

आनंदेश्वर कोल्ड स्टोरेज में लगी आग, करोड़ों का माल खाक

घंटों बाद भी नहीं मिल सका आग पर काबू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (अकबरपुर)। थाना अकबरपुर क्षेत्र के बारा जोड़ स्थित श्री आनंदेश्वर कोल्ड स्टोरेज में सोमवार की देर रात 12 बजे भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि कोल्ड स्टोरेज की चौथी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरे भवन में धुआं और लपटें फैल गईं।

जानकारी के अनुसार, कोल्ड स्टोरेज में मूंगफ़ली, हल्दी,मटर, चना, धनिया समेत करोड़ों रुपये की खाद्य सामग्री भरी हुई थी। आग की लपटों ने सब कुछ अपनी चपेट में ले लिया। करीब 40 करोड़ रुपये से अधिक का माल जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया लेकिन आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि लगातार 12 घंटे की मशक्कत के बाद भी लपटों पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका।

मौके पर पहुंचे कोल्ड स्टोर के मालिक का रो-रोकर बुरा हाल था। आग की भयावहता देखकर स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल है वहीं प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट को आग का मुख्य कारण बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर दमकल विभाग नहीं पहुंचता तो आग आसपास के इलाकों तक फैल सकती थी।

बारात निकलने से लगा जाम तो डीजे और बैंड वाले भुगतेंगे अंजाम

» डीसीपी रवीन्द्र कुमार ने बैंड और डीजे संचालकों संग बैठक कर दिए सख्त निर्देश

» एंबुलेंस, दमकल और पुलिस वाहनों को मिलेगी प्राथमिकता, नियम तोडऩे पर होगी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सहालग का मौसम शुरू होते ही अब बारातों में बैंड-बाजे और डीजे की गूंज के साथ जाम की समस्या भी बढऩे लगी है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए डीसीपी यातायात रवीन्द्र कुमार ने सोमवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय सभागार में बैंड व डीजे साउंड संचालकों के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान डीसीपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बारात के दौरान बैंड बजाने वाले सडक़ की केवल एक लेन पर किनारे-किनारे चलेंगे, ताकि बाकी रास्ता खुला रहे। यदि किसी बारात के चलते ट्रैफिक जाम होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित बैंड संचालक की होगी।उन्होंने कहा कि एंबुलेंस या किसी आपातकालीन वाहन का सायरन सुनते ही डीजे को तुरंत बंद कर वाहन को निकलने दिया जाए। डीसीपी ने कहा कि शहर में अब सहालग के कारण विवाह समारोहों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए यातायात नियमों का पालन सबकी जिम्मेदारी है।डीसीपी ने यह भी निर्देश दिया कि हर डीजे और बैंड संचालक को अपनी बुकिंग की सूचना स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक विभाग को देनी होगी। साथ ही लिखित रूप में यह भी देना होगा कि वे शासन की गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय ध्वनि सीमा व समय सीमा का पालन करेंगे। डीसीपी रवीन्द्र कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे यातायात व्यवस्था में सहयोग करें। किसी भी असुविधा की स्थिति में ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर 9305104340 या हेल्पलाइन नंबर 9305104387 पर संपर्क किया जा सकता है।

फोटो परिचय : कानपुर। कमिश्नर महोदय के दिशा निर्देशन पर दिल्ली में हुए बमकांड के मद्देनजर थाना नौबस्ता के अंतर्गत सेकेंड इंस्पेक्टर मो0 नदीम मय हमराही सहित वाहनों की सघन तलाशी लेते हुए।

श्रीराम अस्पताल में गरीब बुजुर्ग से अमानवीय व्यवहार, लोगों में आक्रोश

» फेसबुक पर वायरल पोस्ट से दिखी बुजुर्ग मरीज की दशा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।श्रीराम की पावन नगरी में इंसानियत फिर लहूलुहान है। भगवान श्रीराम के नाम पर चल रहे श्री राम अस्पताल से एक ऐसा दर्दनाक दृश्य सामने आया है, जिसने पूरे जनमानस को झकझोर दिया है। वायरल हो रही एक फेसबुक पोस्ट में एक गरीब, असहाय बुजुर्ग मरीज की तस्वीर और वीडियो दिख रही है, जिसमें अस्पताल प्रशासन की बेरुखी और मानवीयता की मौत साफ़ दिख रही है। बुजुर्ग मरीज को उचित इलाज, दवा और देखभाल तक नहीं दी जा रही। वायरल वीडियो, फोटो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है। लोगों का कहना है कि श्री राम अस्पताल में केवल वीआईपी मरीजों का ही ध्यान रखा जाता है, जबकि गरीबों को उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। अगर कोई मरीज इलाज न मिलने की शिकायत करने की हिम्मत करता है, तो उसका इलाज नहीं किया जाता है। वायरल पोस्ट में दिख रहा है कि बुजुर्ग मरीज बिस्तर पर बेसहारा पड़ा है कोई डॉक्टर नहीं, कोई नर्स नहीं। आसपास के लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या श्रीराम की नगरी में अब गरीबों का इलाज भी जाति और पैसे देखकर होगा? यह दृश्य केवल एक बुजुर्ग का नहीं, बल्कि अयोध्या के स्वास्थ्य तंत्र की आत्मा का आईना है।

विवाहित महिला के घर आधी रात को पकड़ा गया युवक

धर्म परिवर्तन के आरोप से मचा बवाल, ग्रामीणों ने युवक को पुलिस को सौंपा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जिले के बाबा बाजार थाना क्षेत्र के कसारी गांव में बीती रात प्रेम प्रसंग के शक में एक युवक को एक विवाहित महिला के घर रंगेहाथ पकड़ा गया। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता आरोप यह भी है कि युवक पिछले एक साल से महिला को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाल रहा था।

कसारी गांव में उस रात मेला और नौटंकी लगी थी। इसी शोर-गुल के बीच निसार खान नामक युवक करीब रात 12 बजे धरमां नामक विवाहित महिला के घर पहुंचा। धरमां, राजपथ की पत्नी बताई जाती है। रात करीब 1:30 बजे जब राजपथ की भाभी वहां पहुंचीं तो देखा कि दरवाज़ा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इस पर भाभी ने बाहर से ही कुंडी चढ़ा दी और घरवालों को खबर कर दी। सुबह पांच बजे पुलिस को बुलाया गया। एसआई कन्हैया लाल यादव, कांस्टेबल पंकज यादव और सौरभ यादव मौके पर पहुंचे। गांववालों ने पहले ही निसार खान को पकड़ लिया था। पुलिस ने निसार को हिरासत में लेकर थाने ले गई और शांति भंग में चालान कर दिया। थाना अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार आज़ाद ने बताया,फिलहाल किसी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव में चर्चा है कि निसार खान पिछले एक साल से धरमा को फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहा था।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद अयोध्या में चप्पे-चप्पे पर निगरानी

डीएम और एसएसपी ने पोर्स के साथ महत्वपूर्ण स्थानों का किया निरीक्षण

गौरव ग्रोवर, एसएसपी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद प्रदेशभर में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। इसी क्रम में अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने सोमवार को स्वयं ग्राउंड जीरो पर उतरकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने अयोध्या धाम प्रवेश द्वार उदया चौराहा, राम जन्मभूमि परिसर और अन्य संवेदनशील स्थलों पर निरीक्षण कर संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम और एसएसपी ने कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस, पीएसी और इंटेलिजेंस टीमें मुस्तैद हैं। शहर के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की तलाशी प्रक्रिया को और सख्त किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस को बढ़ाते हुए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को भी मजबूत किया गया है। प्रशासन ने साफ किया है कि सुरक्षा में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर बना केएसई सीनियर पुरुष बॉक्सिंग का ओवरऑल चैम्पियन

» यूपी को मिला दो गोल्ड और एक सिल्वर, सोमवार को खेले गए 13 फाइनल मुकाबले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। के.एस.ई. कप सीनियर पुरुष बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबलों में सोमवार को रोमांच, जोश और जज्बे का अद्भुत संगम देखने को मिला। खिलाड़ियों के दमदार पंच पर दर्शक दीर्घा तालियों की गूंज से बार-बार गूंज उठी। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वावधान में सहादतगंज स्थित सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल के मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों के कुल 13 फाइनल मुकाबले हुए, जिनमें जम्मू-कश्मीर की टीम ने ओवरऑल चैम्पियनशिप अपने नाम की।

विभिन्न भार वर्गों के विजेताओं को उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष विशाल गुप्ता की ओर से ग्यारह हजार रुपये और उपविजेताओं को इक्यावन सौ रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही विजेताओं को कप और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि खेल केवल जीत या हार का माध्यम नहीं, बल्कि यह अनुशासन, संघर्ष और राष्ट्रीय गौरव की पहचान है। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरकार खेलों के प्रोत्साहन के लिए निरंतर प्रयासरत है। गांव से लेकर शहर तक युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं, जरूरत सिर्फ सही दिशा और मंच देने की है। वहीं प्रदेश बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष विशाल गुप्ता ने कहा कि लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के हर जिले में बॉक्सिंग प्रतिभाओं को निखारा जाए और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम पहचान दिलाई जाए।

अयोध्या के विशाल गुप्ता बने यूपी बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष

अयोध्या। राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के दौरान हुई विशेष आम सभा में सर्वसम्मति से अयोध्या के विशाल गुप्ता को उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। विशाल गुप्ता एम.आर. जयपुरिया स्कूल, अयोध्या के निदेशक और विधायक वेद प्रकाश गुप्ता के ज्येष्ठ पुत्र हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. राकेश मिश्र, अध्यक्ष राष्ट्रीय बॉक्सिंग संघ, ने कहा कि नए नेतृत्व से प्रदेश में बॉक्सिंग को नई दिशा मिलेगी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष विशाल गुप्ता ने कहा कि हर जिले में बॉक्सिंग को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे।

बाराबंकी: राष्ट्रीय एकता हमारी आन, बान व शान: सीएम योगी

बोले सीएम योगी- वंदे मातरम का विरोध करते हैं लेकिन योजनाओं का सबसे लाभ लेते हैं

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जो वंदे मातरम का विरोध करते है उनके चेहरे पहचानिए। ये वही लोग है जो सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पहली कतार में खड़े होते हैं। योगी ने कहा कांग्रेस तो चाहती ही नहीं थी कि लौह पुरुष सरदार पटेल का सम्मान हो। वह बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

1734 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

मंच पर आते ही उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय के साथ संबोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपसी मनमुटाव हो सकता है। मगर राष्ट्रीय एकता की बात हो तो सब एक हों। मतभेद भूलें। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह करीब 10:30 बजे फतेहपुर स्थित अस्थायी हेलीपैड पर उतरा जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने आगमन के तुरंत बाद हेलीपैड के समीप स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद वे कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हुए, जहां सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित विशाल समारोह में मंच से संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 1734 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें सड़क, शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र और स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। मंच पर पहुंचने के बाद भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री को सुनने के लिए सुबह से ही भारी भीड़ जुटी हुई थी। कार्यक्रम स्थल की चार किलोमीटर की परिधि को पुलिस प्रशासन के सुरक्षा घेरे में ले लिया गया था। इस मौके पर राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, क्षेत्रीय प्रभारी संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल, कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, विधायक दिनेश रावत, पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य मौजूद रहे।

पूर्व प्रवक्ता डॉ. शाहीन के वर्षों पुराने लापता होने के मामले ने पकड़ा तूल

कानपुर में 10 साल पुराना रहस्य, जीएसवीएम पहुंची एजेंसियां

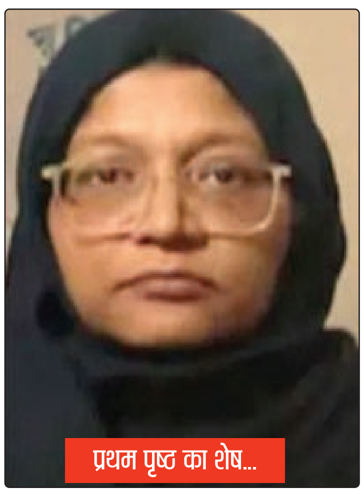

प्रथम पृष्ठ का शेष...

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कानपुर। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी विभाग की पूर्व प्रवक्ता डॉ. शाहीन के वर्षों पुराने लापता होने के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। मंगलवार को खुफिया एजेंसियां जांच के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचीं और उन्होंने विभाग के अधिकारियों से गहन पूछताछ की।

लापता होने की पूरी कहानी डॉ. शाहीन लोक सेवा आयोग से चयनित होकर वर्ष 2006 में कॉलेज में प्रवक्ता के पद पर तैनात हुई थीं। उनका 2009 में छह महीने के लिए कन्नौज तबादला हुआ, जिसके बाद वह वापस कानपुर आईं। हालांकि, वर्ष 2013 में वह अचानक गायब हो गईं। उनकी लंबी अनुपस्थिति के कारण शासन ने वर्ष 2021 में उन्हें बर्खास्त कर दिया था।

जांच में सामने आया है कि डॉ. शाहीन ने वर्ष 2015 में अपने पति जफर हयात से तलाक ले लिया था और उनका पता लखनऊ का लिखा है। खुफिया एजेंसियां उनके लापता होने के पीछे के कारणों और उनके संपर्क सूत्र की गहनता से जांच कर रही हैं। अधिकारियों से पूछताछ की गई है, ताकि उनकी कार्यशैली और निजी जीवन से जुड़ी कोई अहम जानकारी मिल सके।

खुफिया एजेंसियों की जाँच में पता चला है कि डॉ. शाहीना को जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग जमात-उल-मोमिनात की भारत में कमान सौंपी गई थी। इस विंग का मुख्य काम भारत में महिलाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ना और उन्हें आतंकी संगठन के लिए भर्ती करना था।

टेलीग्राम पर चलता था गुमराह करने और कट्टरपंथ का खेल

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार एक टेलीग्राम ग्रुप बनाया गया था, जिसका इस्तेमाल लोगों को कट्टरपंथी बनाने (रेडिकलाइज़ करने) के लिए किया जा रहा था। हैरान करने वाली बात यह है कि इस ग्रुप में गिरफ्तार किए गए और मारे गए कई डॉक्टर शामिल थे। शाहीना को खासकर भारत में महिलाओं को जिहाद के लिए प्रेरित करने और आतंक के मिशन में शामिल करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

आजम खां को बड़ी राहत, भड़काऊ भाषण में हुए बरी

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान हेट स्पीच के आरोप में बरी कर दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित वीर सिंह ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष अपने केस को साबित करने में नाकाम रहा। यह फैसला आजम खान के लिए बड़ी राहत है, हालांकि अन्य मामलों की वजह से वह अभी भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

दरअसल, यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान का है। 23 अप्रैल को रामपुर के मिलक थाना क्षेत्र के खटानागरिया गांव में आजम खान ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया था। इस सभा में उन्होंने तत्कालीन रामपुर डीएम अन्जनेय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस उम्मीदवार संजय कपूर पर तीखी टिप्पणियां की थीं। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि आजम खान ने चुनाव आयोग को 'भ्रष्ट' बताते हुए मतदाताओं को ध्रुवीकरण के लिए उकसाया। यह भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (समूहों के बीच वैमनस्य फैलाना), 505 (सार्वजनिक शरारत के लिए बयान) और प्रतिनिधित्व ऑफ पीपल एक्ट की धारा 125 के तहत अपराध था।

अगले ही दिन, 24 अप्रैल 2019 को तत्कालीन एसडीएम ने सिविल लाइंस कोतवाली में आजम खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। शिकायत में चुनाव आयोग की वीडियो मॉनिटरिंग टीम के इंचार्ज अनिल कुमार चौहान का जिक्र था, जिन्होंने सभा का वीडियो रिकॉर्ड किया था। मुकदमे में कहा गया कि आजम खान के बयानों से सामुदायिक तनाव बढ़ा और चुनावी माहौल बिगड़ा।

एमपी-एमएलए कोर्ट में मामला पहुंचा। अक्टूबर 2022 में निचली अदालत ने आजम खान को दोषी ठहराया और तीन साल की सजा सुनाई, जिसके चलते उनकी विधायकी रद्द हो गई थी। र

राजस्थान के वरिष्ठ आईएएस दंपति विवाद पर एफआईआर

आईएएस पत्नी ने आईएएस पति पर लगाया बंधक बनाने का आरोप

» कई महिलाओं से संबंध बनाने का भी आरोप।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बीकानेर। राजस्थान के सीनियर आईएएस दंपति के बीच विवाद उस समय उजागर हुआ जब 2014 बैच की संयुक्त सचिव भारती दीक्षित ने अपने पति और वर्तमान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक पद पर तैनात आशीष मोदी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करवाई। दीक्षित ने 7 नवंबर को एसएमएस पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में पति के शराब पीकर धमकाने, अवैध संबंध, तलाक के लिए दबाव बनाने तथा पिस्तौल के दम पर बंधक बनाने जैसी गंभीर धाराओं का उल्लेख किया है।

शिकायत के अनुसार, विवाद का सिलसिला सालों से चल रहा है। भारती ने बताया कि आईएएस चयन के समय उनके पिता कैंसर से पीड़ित थे और उस कठिन दौर का फायदा उठाकर आशीष मोदी ने उन्हें शादी के लिए मजबूर किया।

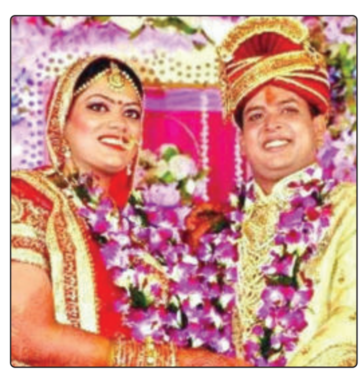

भारती ने कहा कि 2018 में आईवीएफ के माध्यम से उनकी एक बेटी हुई। बेटी के जन्म के बाद आशीष का स्वभाव और आक्रामक हो गया और समय-समय पर मारपीट, गला दबाने जैसी हिंसक हरकतें की गईं। कई बार डर के कारण दीक्षित दिल्ली में अपने माता-पिता के साथ रहने को बाध्य रहीं। वर्ष 2020 में जब आशीष की पोस्टिंग जैसलमेर हुई तो भारती को संदेह हुआ कि उनके पति का किसी अन्य महिला से संबंध है। दीक्षित ने बताया कि जैसलमेर के साथ-साथ भीलवाड़ में भी उनके पति की अय्याशियों संबंधी चर्चाएँ स्थानीय मीडिया में उभरीं और अधिकारियों के बीच भी यह चर्चा थी। भारती ने दावा किया कि 14 अक्टूबर की देर रात आशीष लौटा और तलाक की धमकी दी। अगले दिन सुबह बेटी को स्कूल छोड़ने के बहाने मोदी ने सरकारी वाहन में उन्हें व उनकी बेटी को बैठाकर किसी अन्य रास्ते से ले जाया।

दीक्षित ने आरोप लगाया कि कार से उतरने का प्रयास करने पर उन्हें धमकाया गया और करीब डेढ़ घंटे तक मोबाइल छीनकर सड़कों पर घुमाया गया। बाद में तीन मंजिला मकान में बंद कर लिया गया और पिस्तौल दिखाकर धमकियां दी गईं कि अगर तलाक नहीं लिया तो उनके खानदानी को खत्म कर देंगे। भारती ने आगे कहा कि कमरे में चार्जर में लगे स्पाई कैमरे और उनके फोन को अन्य डिवाइस से जोड़कर उनकी निजता भंग कर ब्लैकमेल की कोशिश भी की गई। आरोपी पति ने कथित रूप से बार-बार पूछा कि वे किससे मिलती हैं और फोन के हर पल की जानकारी होने की बात कहकर उन्हें दबाव में रखा।